प्रपत्र–4

परियोजना का नाम :–

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट (प्रमाण–पत्र)

प्रमाणित किया जाता है कि आज दिनांक 11/06/2021 को प्रश्नगत परियोजना के लिये वन भूमि प्रत्यावर्तन प्रस्ताव तैयार करने हेतु संयुक्त निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री सुभाष चन्द्र नौटियाल, राजस्व विभाग की ओर से श्री मनोज असवाल प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री विनोद रेकवाल द्वारा संयुक्त निरीक्षण कार्य में भाग लिया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय पाया गया कि उपरोक्त प्रयोजन हेतु निम्नानुसार वन भूमि/नाप भूमि प्रभावित हो रही है।

आरक्षित वन भूमि, ...हे0, सिविल एवं सोयम वन भूमि, ...हे0, वन पंचायत भूमि ....हे0 एवं नाप भूमि ....हे0 प्रभावित हो रही है। परियोजना के निर्माण हेतु आवेदित वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है तथा आवेदित वन भूमि की मांग न्यूनतम है। परियोजना के निर्माण हेतु प्रस्तावक विभाग द्वारा सुझाये गये अन्य विकल्पों पर भी विचार किया गया व वर्तमान विकल्प/संरेखण को सर्वदा उपयुक्त पाया गया। प्रश्नगत कार्य जनहित में किया जाना है व इस परियोजना के निर्माण से ग्रामवासियों ....जनसंख्या लाभान्वित होगी।

आवेदित वन भूमि में ....वृक्षों व नाप भूमि पर ....वृक्षों का पातन निहित है, जिनकी प्रजातिवार/व्यासवार सूची प्रस्ताव में संलग्न है।

(अन्य आवश्यक कोई विवरण जो दिया जाना अपेक्षित हो)...

स्रोत का नाम- सुरसीवगाड़ कक्ष सं0 3

भूमि का कोर्डिनेट - 78°58'37.47"E, 30°16'59.91"N

ह0/–	ह0/–	ह0/–
अधिशासी अभियन्ता निर्माण शाखा पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम रुद्रप्रयाग (प्रयोक्ता एजेन्सी)	(राजस्व विभाग का प्रतिनिधि)	(वन विभाग का प्रतिनिधि)
ह0/– AE (जिलाधिकारी)	उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग (प्रभागीय वनाधिकारी)	
ह0/– (सम्बन्धित उप जिलाधिकारी)	ह0/– (ग्राम प्रधान/वन पंचायत सरपंच)	

नोट :–उक्त सूचना प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा सम्बन्धित विभागों/संस्थाओं के हस्ताक्षर के उपरान्त प्रस्ताव के साथ लगाई जानी है।

परियोजना का नाम – रूद्रप्रयाग नगर हेतु पूर्व निर्मित पेयजल योजना के अन्तर्गत WTP (जल शोधन संयत्र) निर्माण।

संयुक्त निरीक्षण आख्या

आज दिनांक 11.06.2021 को उपरोक्त परियोजना हेतु संयुक्त निरीक्षण किया गया। सयुंक्त निरीक्षण में निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारियों ने भाग लिया।

1. इं0 आर0एस0 रावत, सहायक अभियन्ता, जल संस्थान रूद्रप्रयाग।
2. इं0 बी0पी0 सेमवाल, अपर सहायक अभियन्ता, पेयजल निगम, रूद्रप्रयाग।
3. श्री सुभाष चन्द्र नौटियाल, वन क्षेत्राधिकारी।
4. श्री मनोज असवाल, राजस्व निरीक्षक।
5. श्री शिशुपाल सिंह नेगी, वन रेंजर।

संयुक्त निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उपरोक्त प्रायोजन हेतु पूर्व में निर्मित WTP (जल शोधन संयत्र) के समीप 25 mtr. X 25 mtr. (पहाड़ साइट) एवं 16 mtr. X 15 mtr. (ऊपर रास्ते की तरफ) वन भूमि उपलब्ध है। भूमि पर कोई भी वृक्ष नहीं है। परियोजना हेतु अन्य विकल्पों पर भी विचार किया गया। वर्तमान में अन्य कोई भी विकल्प उपयुक्त नहीं पाया गया। उक्त वन भूमि पर राजस्व विभाग का कोई सम्बन्ध नहीं है। परियोजना हेतु निकट गांव से 600 मी0 विद्युत लाइन वन भूमि में बिछाने की आवश्यकता है। उपरोक्त कार्य के निर्माण से रूद्रप्रयाग नगर की 60 प्रतिशत अवादी लाभान्वित होगी।

भूमि का विवरण निम्नानुसार है।

(1) 25 mtr. X 25 mtr.	=	0.0625 हे0
(2) 16 mtr. X 15 mtr.	=	0.024 हे0
(3) 2.0 mtr. X 2.0 mtr. X 10.0	=	0.004 हे0 (विद्युत लाइन हेतु)
कुल क्षेत्रफल	=	**0.09 हे0**

भूमि का कोर्डिनेट – $30^0$17'0N , $78^0$58'37E है।
(रूद्रप्रयाग रिजर्व कक्ष सं0 03 सुजुकी बगड़)

उप वन संरक्षक
रूद्रप्रयाग वन प्रभाग
रूद्रप्रयाग

(इं0 आर0एस0 रावत)
सहायक अभियन्ता
उत्तराखण्ड जल संस्थान
रूद्रप्रयाग।

11/6/21
(इं0 बी0पी0 सेमवाल)
अपर सहा0 अभियन्ता
उत्तराखण्ड पेयजल निगम
रूद्रप्रयाग।

(सुभाष चन्द्र नौटियाल)
वन क्षेत्राधिकारी
वन विभाग
रूद्रप्रयाग।

(मनोज असवाल)
राजस्व निरीक्षक
रूद्रप्रयाग।

(शिशपाल सिंह नेगी)
वन रेन्जर
वन विभाग
रूद्रप्रयाग।

Other Appli